an>

Title: Regarding alleged incident of removing the turban of two Indian Sikh basketball players during FIFA Asian cup in China.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में एक गंभीर मामला लाना चाहता हूं। चाइना में जो एशिया का बास्केटबाल टूर्नामेंट हो रहा था, वहां हमारे जो अमृत पाल और अमज्योत प्लेयर हैं, उन्हें पगड़ी उतारने के लिए मजबूर किया गया। यह बहुत अफसोस की बात है। पहले जो मैच होते रहे हैं, वहां वे पगड़ी बांधकर मैच खेलते रहे हैं। जो उन्होंने इंटरनेशनल फेडरेशन के रूल कहे हैं, उसे एक्सेसरी कहा है, जो पगड़ी है, वह सिख की एक्सेसरी नहीं है। वह उसका एक जरूरी चिन्ह के तौर पर माना जाता है। पगड़ी उतारने के लिए उन्हें जो मजबूर किया, वहां हमारे प्लेयर्स ने अपना अपमान मानकर भी गेम में हिस्सा लिया और सबसे ज्यादा प्वाइंट लिये। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से कहना चाहता हूं कि इसका नोटिस लेना चाहिए। आगे से ऐसा कोई अपमान नहीं होना चाहिए और जिन्होंने अपमान किया है, उन पर कोई एक्शन लेना चाहिए। भारत सरकार इसका नोटिस ले।

माननीय अध्यक्ष : जगदम्बिका पाल जी, आपने वही नोटिस दी है। एक्चुअली उन्होंने नोटिस दी है, इसलिए उन्हें बोलने का मौका दिया गया। आप बैठिए, आपका हो गया है।

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदया, हमारा भी एक अलग से नोटिस है।

माननीय अध्यक्ष : मैंने बोला है कि आपने यह दिया है।

श्री जगदम्बिका पाल : हम अपने को एसोशिएट कर देते हैं।

माननीय अध्यक्ष : आप इन्हीं के साथ एसोशिएट कर दीजिए।

श्री जगदम्बिका पाल : एक मिनट बोलकर एसोशिएट कर देंगे।

माननीय अध्यक्ष : ठीक है।

श्री जगदम्बिका पाल : बुनियादी तौर से हम लोग भी खिलाड़ी हैं और पूरी दुनिया में खेल का एक ही नियम है। खेल के मैदान में न कोई जात होती है और न कोई बिरादरी होती है और न किसी देश की बात होती है। यह स्पोर्ट्स मैन प्रिट कही जाती है। हमारे बास्केटबाल महासंघ ने भी इस पर वहां ऐतराज किया। इसके बावजूद उन दोनों प्लेयर्स को जब तक उन्होंने पगड़ी नहीं उतार दी, तब तक उन्हें कोर्ट में उतरने नहीं दिया गया। यह अपने आप में कौन सा संदेश जा रहा है या तो अंतर्राष्ट्रीय नियमों में ऐसा होता। कहीं भी ओलंपिक के खेल हो रहे हैं, कॉमन वेल्थ गेम्स हो रहे हैं, हमारे सिख लोग जा रहे हैं और मेडल लेकर आ रहे हैं। इसके बावजूद जो चाइना में घटना हुयी है, यह एक गंभीर घटना है। सरकार इसका संज्ञान ले और निश्चित तौर पर अपना विरोध दर्ज कराने का काम करे।